स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com द

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी
(**Agromet Advisory Bulletin No. : 54/2025**)

जिला – श्रीगंगानगर | जारी करने की तिथि : 03.10.2025

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः पिछले 5 दिनों के दौरान मौसम साफ रहा ,और इस दौरान अधिकतम तापमान 37. 0–38.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 27.0–28.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान मध्यम गति की हवाये परिवर्तनशील दिशा से चली।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान बादल छाये रहने के साथ भारी बारिश साथ ही तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34.0–37.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 25.0–26.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवाये परिवर्तनशील दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	03 अक्टूबर	04 अक्टूबर	05 अक्टूबर	06 अक्टूबर	07 अक्टूबर
वर्षा (मि.मी)	0	2	13	3	0
अधिकतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	37	37	35	35	34
न्यूनतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	26	26	25	25	25
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	7	8	7	0
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	20	31	48	48	38
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	47	47	77	79	72
हवा की गति (कि.मी. / घंटा)	10	13	18	16	10
हवा की दिशा	South-West	South-West	North-East	North-East	South-East

`**कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory)**: गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह (Agricultural Advisory)
सरसों	बिजाई	समय किस्म बीजदर एवं उर्वरक उपचार	• सरसों की बिजाई का उपयुक्त समय अक्टूबर का प्रथम सप्ताह शुरू हो चुका है। बिजाई के लिए सिफारिश की गई उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था करें। • समय पर बुवाई के लिए आर.एच.–0749, आर.जी.एन. 13, आर.जी.एन. 73, लक्ष्मी, पुसा बोल्ड व बरानी क्षेत्रों के लिए आर.एच.–725, आर.एच.–761, आर.जी.एन 298, आर.जी.एन 229, आर.जी.एन. 48 और देरी से बुवाई के लिए आर.जी.एन. 145, आर.जी.एन. 236 **एवं आर 1706.एच.सिंचित क्षेत्र तथा आर 1424-.एच.असिंचित क्षेत्र के लिए प्राथमिकता देवें।** • बीजदर 600–700 ग्राम प्रमाणित बीज प्रति बीघा की दर से बुवाई करें। सरसों की बिजाई से पूर्व 20 किलो यूरिया तथा 62.5 किलो सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा 75 किलो जिप्सम प्रति बीघा बेसल के रूप में प्रयोग करें। • फसल को सफेद रोली से बचाव के लिए मेटालेक्सिल (35 एस.डी.) 6 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीजोपचार करें।
देसी कपास	टिण्डा बनना व खिलना	चुगाई जलीय तनाव	• कपास में यदि टिण्डे खिल गए हो तो मौसम साफ होने पर चुगाई कर लेवें। अतः चुगाई करते समय सफाई का ध्यान रखें। जिससे रूई की गुणवत्ता बनी रहे। • यदि पानी की कमी हो तो सैलिसिक अम्ल की 5 ग्राम मात्रा का 100 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे, जिससे वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया को कम किया जा सके।
अमेरिकन नरमा	फूलगुड़ी एवं टिण्डा बनना	गुलाबी सुण्डी	• गुलाबी सुंडी का प्रकोप होने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. 2.0 मि.ली. मात्रा या साइपरमेथ्रिन 10 प्रतिशत ई.सी. 1.0 मिली. या डेल्टामेथ्रिन 2.8 प्रतिशत ई.सी. का 1.0 मिली. प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
ग्वार	पकाव व कटाई	––	• ग्वार की फसल का कटाई के लिये अक्टूबर माह उपयुक्त है। अतः किसान भाई ग्वार की कटाई समय पर पूरी कर लेवें।
बाजरा	सिट्टा	सफेद लट	• बाजरे की फसल में दीमक व सफेद लट से बचने के लिये क्लोरोपाइरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से पानी में सिंचाई के साथ देवें।
किन्नू	––	–– फलो का गिरना	• किन्नों के बागों में फलों के अत्यधिक वजन होने के कारण डालियां जमीन को छू रही है। डालियों को झुकने व टूटने से बचाने हेतु बांस का स्पोर्ट लगाये। • किन्नू के बागों में फल गिरने से रोकने हेतु 2,4–डी की 1 ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
गन्ना	वानस्पतिक वृद्धि एवं गन्ना बनना	दीमक पाइरिला	• फसल को दीमक के प्रकोप से बचाने के लिए इमिडाक्लोप्रिड (17.8 एसएल) 125 मिली अथवा क्लोरोपाईरीफॉस (20 ईसी) 1.25 लीटर प्रति बीघा की दर से सिंचाई पानी के साथ देवे। • पाइरिला का प्रकोप दिखाई देने पर मैलाथियान 50 एस.सी. का 300 मिली. प्रति बीघा या इथियान 50 ई.सी. का 250 मिली. प्रति बीघा के हिसाब से छिड़काव करें।

सह. आचार्य (शस्य) एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा